SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
Class Notes

NAME:_____ **SUBJECT: HINDI**
CLASS 7 DIV :_____ **Ls.9** एक तिनका
Prepared By: Suman Yadav **Given date -**
Prepared date -25/10/2024

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-अभ्यास (कविता से)

शब्दार्थ :ऐंठा हुआ-अकड़ा हुआ।मुंडेर-दीवार और दूत का निकला हुआ भाग।तिनका-घास का छोटा-सा टुकड़ा । बेचैन होना-व्याकुल होना। दुखना-कष्ट महसूस होना।दवै पाँव भागना-चुपचाप भाग जाना। ढब से-ढंग से, तरीके से। समझ-बुद्धि। ताना देना- व्यंग्यपूर्ण चटीली बात।

भावार्थ

१)संकेत-मैं धमंडो में भरा--------आँख में मेरी|

संदर्भ - प्रस्तुत पद्य खण्ड वसंत भाग दो के एक तिनका नाना पाठ से लिया गया है। इसके कवि अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध जी है।

प्रसंग - प्रस्तुत पंक्ति में यह बताया गया है कि अहंकारी व्यक्ति का अहंकार तोडने के लिए एक तिनका ही बहुत है।

व्याख्या- कवि कहता है कि आँख में तिनका पड़ने के कारण वह बहुत परेशान हो गया था। फिर विनके की रगड़ से बेचैन हो दर्द के कारण आँख रगड़ने लगा। आँख लाल होकर दुखने लगी। आँख से तिनका निकालने के लिए अन्य लोग मेरी मदद करने के लिए आँख को कपड़े की मूंठ से सेकने लगे।

२) संकेत- जब किसी ---- बहुत तेरे लिए|

संदर्भ- प्रस्तुत पद्य खण्ड वसंत भाग-2 के एक तिनका नामक "से लिया गया है। इसके कति अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔ - कवि ने बताया ध' जी है।

प्रसंग- प्रस्तुत पंक्ति में यह बताया गया है कि कि अहंकारी व्यक्ति के अहंकार को तोड़ने के लिए स्क्क तिर्नका ही बहुत है।

व्याख्या - इसमे कति कहता है कि बहुत प्रयास करने के बाद किसी तरह वह तिनका भाँप्स से निकल गया। तिनका निकलने पर समझ रूपी आत्मा ने मुझे धिक्कारा वह अपने अहंकार में किस लिए अकड़ रहा था जबकि एक छोटे से तिनके के आगे इतना विवश हो गया था

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-अभ्यास(कविता से)

प्रश्न 1. नीचे दी गई कविता की पंक्तियों को सामान्य वाक्य में बदलिए।

जैसे-एक तिनका आँख में मेरी पड़ा – मेरी आँख में एक तिनका का पड़ा।

मुँठ देने लोग कपड़े की लगे – लोग कपड़े की मँठ देने लगे।

(क) एक दिन जब था मुंडेरे पर खड़ा – .....(ख) लाल होकर भी दुखने लगी – .....

(ग) ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भागी – ..... (घ) जब किसी दब से निकल तिनका गया। – .....

उत्तर- (क) एक दिन जब मुंडेरे पर खड़ा था। (ख) आँख लाल होकर दुखने लगी।

(ग) बेचारी ऐंठ दबे पाँवों भगी। (घ) किसी ने ढब से तिनका निकाला।

प्रश्न 2.'एक तिनका' कविता में किस घटना की चर्चा की गई है, जिससे घमंड नहीं करने का संदेश मिलता है?

उत्तर- इस कविता में उस घटना का वर्णन किया गया है जब कवि की आँख में एक तिनका गिर गया। उस तिनके से काफ़ी बेचैन हो उठा। उसका सारा घमंड चूर हो जाता है। किसी तरह लोग कपड़े की नोक से उनकी आँखों में पड़ा तिनका निकालते हैं तो कवि सोच में पड़ जाता है कि आखिर उसे किस बात का घमंड था, जो एक तिनके ने उनके घमंड को जमीन पर लाकर खड़ा कर दिया। उसकी बुधि ने भी उसे ताने दिए कि तू ऐसे ही घमंड करता था तेरे घमंड को चूर करने के लिए तिनका ही बहुत है। इससे यह संदेश मिलता है कि व्यक्ति को स्वयं पर घमंड नहीं करना चाहिए। एक तुच्छ व्यक्ति या वस्तु भी हमारी परेशानी का कारण बन सकती है। हर वस्तु का अपना महत्त्व होता है।

प्रश्न 3.आँख में तिनका पड़ने के बाद घमंडी की क्या दशा हुई ?

उत्तर- घमंडी की आँख में तिनका पड़ने पर उसकी आँख लाल होकर दुखने लगी। वह बेचैन हो गया और उसका सारा ऐंठ समाप्त हो गया।

प्रश्न 4.घमंडी की आँख से तिनका निकालने के लिए उसके आसपास लोगों ने क्या किया?

उत्तर- घमंडी की आँख से तिनका निकालने के लिए उसके आसपास के लोगों ने कपड़े की मुँठ बनाकर उसकी आँख में डाली।

प्रश्न 5.'एक तिनका' कविता में घमंडी को उसकी 'समझ' ने चेतावनी दी-

ऐंठता तू किसलिए इतना रहा,

एक तिनका है बहुत तेरे लिए।

इसी प्रकार की चेतावनी कबीर ने भी दी है

तिनका कब हूँ न निदिए पाँव तले जो होय।।

कबहूँ उड़ि आँखिन परै, पीर घनेरी होय॥

- इन दोनों में क्या समानता है और क्या अंतर? लिखिए।

उत्तर-(क) उपर्युक्त काव्यांश के माध्यम से कवि ने यह संदेश दिया है कि अहंकार नहीं करना चाहिए। क्योंकि एक छोटा-सा तिनका भी अगर आँख में पड़ जाए तो मनुष्य को बेचैन कर देता है।

(ख) इन दोनों काव्यांशों की पंक्तियों में अंतर-दोनों काव्यांशों में अंतर यह है कि हरिऔध जी द्वारा लिखी पंक्तियों में किसी प्रकार के अहंकार से दूर रहने की चेतावनी दी गई है, क्योंकि एक तिनका भी हमारे अहंकार को चूर कर | सकता है। छोटे-से छोटे वस्तु का अपना महत्त्व होता है। दोनों में घमंड से बचने की शिक्षा दी गई है। प्रत्येक तुच्छ समझी जाने वाली वस्तु का अपना महत्त्व होता है।

भाषा की बात

दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए |

छप से ,टप से,थर्र से,फुर्र से,सन् से।

उत्तर-मेंढक पानी में छप से कूद गया।

नल बंद होने के बाद पानी की एक बूंद टप से चू गई।

शोर होते ही चिड़िया फुर्र से उड़ी।

ठंडी हवा सन् से गुजरी, मैं ठंड में थर्र से काँप गया।

SUB.TEACHER **HOD** **CO ORDINATOR** **PRINCIPAL**